



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 4 मार्च, 2009 / 13 फाल्गुन, 1930

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला-9, 27 फरवरी, 2009

संख्या-पीसीएच-एचबी(2)5/99.-हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना तारीख 20-4-2007 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश पंचायती राज विभाग, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2007 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात् :-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**-(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पंचायती राज विभाग कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, वर्ग- III (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2009 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध 'क' का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज विभाग, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, वर्ग— III (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2007 के उपाबन्ध 'क' में निम्नलिखित रखा जाएगा,

(क) स्तम्भ संख्या 7(1) के सामने विद्यमान उपबन्ध के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड से दस जमा दो की परीक्षा उत्तीर्ण की हो या इसके समतुल्य।”

[Authoritative English text of this Department Notification No.PCH-HB(2)5/99-44813-45003 dated 27.2.2009 as required under clausd 348(3) of the Constitution of India].

PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-9, the 27th February, 2009

No. PCH-HB(2)5/99—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased further to amend the Himachal Pradesh Panchayati Raj Department, Junior Scale Stenographer, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2007, notified vide notification of even number dated 20.4.2007, namely :-

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Panchayati Raj Department Junior Scale Stenographer, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2009.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of Annexure-A.—In Annexure-A to the Himachal Pradesh Panchayati Raj Department, Junior Scale Stenographer, Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2007, the following shall be substituted, namely:-

(a) For the existing provision against column No. 7(1) the following shall be substituted namely:-

“Should have passed 10+2 examination or its equivalent from a recognized University/ Board.”

By order
Sd/-
Secretary.

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 2 मार्च, 2009

संख्या—पी.सी.एच.—एच.ए. (3) 25 / 2007.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 का 4) की धारा 186 के साथ पठित धारा 135 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने

का प्रस्ताव करती हैं, और उन्हें जनसाधारण की सूचना के लिए राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है;

इन प्रारूप नियमों द्वारा सम्भाव्य प्रभावित होने वाला कोई व्यक्ति, यदि उक्त नियमों की बाबत कोई, आक्षेप(पों) या सुझाव(वों) देना चाहे, तो वह उसे/उन्हें प्रारूप नियमों के राजपत्र हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर निदेशक, पंचायती राज, हिमाचल प्रदेश, एस.डी.ए. कम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला-171009 को भेज सकेगा;

उपर्युक्त विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त हुए आक्षेप(पों) या सुझाव(वों), यदि कोई हों, पर इन नियमों को अन्तिम रूप देने से पूर्व राज्य सरकार द्वारा विचार किया जाएगा, अर्थात्:-

प्रारूप नियम

1. **संक्षिप्त नाम.**— इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (जिला परिषदों में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिकों की नियुक्ति और सेवा शर्तें) नियम, 2009 हैं।

2. **परिभाषाएं.**—(1) इन नियमों में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 अभिप्रेत है ;

(ख) “मुख्य कार्यपालक अधिकारी” से, जिला परिषद् किन्नौर और लाहौल—स्पिति के मामलों में परियोजना अधिकारी, एकीकृत जनजाति विकास परियोजना और अन्य दस जिला परिषदों के मामले में सम्बद्ध जिले के अतिरिक्त उपायुक्त अभिप्रेत है ;

(ग) “प्ररूप” से, इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;और

(घ) “सचिव” से, सम्बद्ध जिला परिषद् का सचिव अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं, और परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके हैं।

3. **पदों की संख्या और उनके वेतनमान.**—(1) प्रत्येक जिला परिषद् में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक का एक पद होगा जो जिला परिषद् के अध्यक्ष के साथ कार्य करेगा और उसे 4400—150—5000—160—5800—200—7000 रुपये के वेतनमान में छः हजार छह सौ रुपये (6600) रुपये प्रतिमास की नियत उपलब्धियों या ऐसी उपलब्धियों जैसी राज्य सरकार द्वारा समय—समय पर अवधारित की जाए, संदत की जाएंगी।

(2) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक को मासिक उपलब्धियाँ राज्य सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिये उपबंधित सहायता अनुदान में से, सचिव के माध्यम से आबंटित की जाएंगी।

4. **न्यूनतम शैक्षणिक और अन्य अपेक्षित अर्हताएं.**—(1) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किये जाने वाले अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से दस जमा दो (10+2) अथवा इसके समतुल्य होगी :

परन्तु निरसित नियमों के अधीन जिला परिषद् में, 3000/—रुपये (तीन हजार रुपये) के मासिक पारिश्रमिक पर, पहले से ही निजी सहायक के रूप में नियुक्त व्यक्ति को,—

(i) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख से कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में पुनः पदाभिहित किया जाएगा ; और

- (ii) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख से तीन वर्षों के भीतर दस जमा दो (10+2) की शैक्षिक अर्हता प्राप्त करनी होगी अन्यथा निरसित नियमों के अधीन निजी सहायक के रूप में उसकी नियुक्ति के समय ऐसी अर्हता न रखने की दशा में उसकी संविदा नवीकृत/विस्तारित नहीं की जाएगी।

(2) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के पद पर नियुक्त किए जाने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी की अंग्रेजी और हिन्दी में आशुलिपि की क्रमशः अस्सी और सत्तर शब्द प्रति मिनट और अंग्रेजी और हिन्दी में टंकण की क्रमशः चालीस और तीस शब्द प्रति मिनट की गति होगी :

परन्तु केवल एक भाषा में आशुलिपि और टंकण की उपर्युक्त वर्णित अपेक्षित गति रखने वाला अभ्यर्थी भी पद के लिए आवेदन करने का पात्र होगा, और पद पर उसका चयन होने की दशा में पद ग्रहण करने की तारीख से छह मास के भीतर उसे अन्य भाषा में परीक्षा पास करनी होगी।

5. आयु और अन्य पात्रता शर्तें.—कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किये जाने वाला व्यक्ति पात्र होगा यदि, —

- (क) उसकी आयु उस वर्ष जिसमें वह पद के लिए आवेदन करता है, की प्रथम जनवरी को 18 से 45 वर्ष है ;
- (ख) वह सम्बद्ध जिले का वास्तविक निवासी है ;
- (ग) वह स्वस्थचित और अच्छे स्वास्थ्य वाला है ;
- (घ) वह लोक सेवा में नियुक्ति के लिए निर्धारित न किया गया हो या अनुशासनात्मक आधार पर लोक सेवा से हटाया न गया हो अथवा उसने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के अधीन स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति न ली हो;
- (ङ) वह नैतिक अधमता में अन्तर्वलित किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध न किया गया हो; और
- (च) उसके द्वारा राज्य सरकार या जिला परिषद् के प्रति कोई बकाया राशि देय नहीं है।

6. आवेदन आमंत्रित करना और चयन के लिए प्रक्रिया.—(1) सम्बद्ध जिला परिषद्, अपने सचिव के माध्यम से, व्यापक प्रचार करते हुए, सम्बद्ध जिला परिषद् के कार्यालय के सूचना पट्ट पर सूचना प्रदर्शित करते हुए और सम्बद्ध जिले के नियोजनालय के माध्यम से और जिले में विस्तृत रूप में परिचालित एक दैनिक समाचार पत्र में विज्ञापन द्वारा पद के लिए पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित करेगी। आवेदन सचिव, को सम्बोधित किया जाएगा। आवेदन प्रस्तुत करने के लिए, सूचना की तारीख से 15 दिन की न्यूनतम अवधि दी जाएगी और आवेदन को सचिव द्वारा समयक् रूप से हस्ताक्षरित और स्टाम्पित रसीद सहित प्राप्त और अभिस्वीकृत किया जाएगा।

(2) आवेदन प्राप्त करने के लिए विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के ठीक पश्चात्, सचिव, उक्त पद का साक्षात्कार संचालित करने के लिए तारीख, समय और स्थान नियत करेगा। सचिव, चयनसमिति के सदस्यों के साथ-साथ आवेदकों को भी साक्षात्कार के लिए नियत की गई समय अनुसूची को सूचित करते हुए एक सूचना (नोटिस) जारी करेगा:

परन्तु सूचना (नोटिस) जारी करने की तारीख और साक्षात्कार की तारीख के मध्य न्यूनतम 10 दिन की अवधि का अन्तर रहेगा।

(3) साक्षात्कार निम्नलिखित चयन समिति द्वारा संचालित किया जायेगा:—

(i) जिला परिषद् का अध्यक्ष

: अध्यक्ष

(ii) जिला ग्रामीण विकास अभिकरण का परियोजना अधिकारी : सदस्य

(iii) सम्बद्ध जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से आशुलिपि अनुदेशक : सदस्य

(iv) सचिव सदस्य : सचिव

(4) सचिव, अभ्यर्थियों द्वारा उनके आवेदनों सहित दी गई सूचना के आधार पर, उप नियम (6) में दर्शित मापदण्ड के आधार पर, प्रत्येक अभ्यर्थी की एक ऑकड़ा सूची का संकलन करेगा, और उक्त आंकड़ों को संकलित करने का कार्य साक्षात्कार की तारीख से पूर्व पूर्ण कर लिया जाएगा। वह यह सुनिश्चित करेगा कि यह आंकड़े (डाटा), चयन समिति को अभ्यर्थियों द्वारा साक्षात्कार की तारीख पर लाए गए मूल अभिलेख के साथ साक्षात्कार की तारीख पर, इसके सत्यापन के लिए उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

(5) चयन समिति प्रमाण पत्रों को उनके मूल प्रति के साथ सत्यापित करेगी और उसी स्थान पर टंकण और आशुलिपि की परीक्षा का संचालन भी करेगी।

(6) चयन, अभ्यर्थियों के काम के आधार पर पूर्णतय: गुणागुण आधार पर कुल एक सौ नम्बर में से किया जाएगा जिन्हें निम्नलिखित रीति में विभाजित किया जाएगा :-

(क) शैक्षणिक अहर्ताएं :

(i) दस जमा दो (10+2) और इसके समतुल्य में प्राप्त किए गए अंकों को 2.5 से भाग देकर प्रतिशत। : अधिकतम 25 अंको तक

(ii) स्नातक डिग्री में प्राप्त किए गए अंकों को 20 से भाग देकर प्रतिशत। : अधिकतम 5 अंको तक

(ख) अनुभव :

(अभ्यर्थी द्वारा सुसंगत स्वरूप के कर्तव्यों में प्रत्येक वर्ष के अनुभव के लिए चाहे, वह सरकारी विभाग में या किसी निजी सेक्टर उपक्रम में अथवा ख्याति प्राप्त गैर-सरकारी संस्थान में या किसी पंचायती राज संस्थान में किया गया हो, एक अंक दिया जाएगा) : अधिकतम 5 अंको तक

(ग) आशुलिपि और टंकण टैस्ट में पालन(कार्य) के लिए : अधिकतम :-

(i) अंग्रेजी भाषा में आशुलिपि : 15 अंको तक

(ii) अंग्रेजी भाषा में टंकण : 10 अंको तक

(iii) हिन्दी भाषा में आशुलिपि : 15 अंको तक

(iv) हिन्दी भाषा में टंकण : 10 अंको तक

(घ) निजी साक्षात्कार : अधिकतम 5 अंको तक

(ङ) अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति : 4 अंक

या अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्ध रखने वाले
अभ्यर्थी की दशा में

(च) गरीबी रेखा से नीचे के परिवार से सम्बन्ध रखने वाले अभ्यर्थी की दशा में :3 अंक

(छ) शारीरिक रूप से विकलांग अभ्यर्थी की दशा में :3 अंक

(7) सचिव, गुणागुण के क्रम में अभ्यर्थियों का एक पैनल बनाएगा और अभ्यर्थी जो पैनल में प्रथम स्थान पर हैं, को कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए चयनित किया जाएगा। कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के चयन के पश्चात्, अभ्यर्थियों की उनके गुणागुण के क्रम में, आक्समिक रिक्तियों को भरने के लिए, यदि किसी के द्वारा, कार्यग्रहण न कर पाने या अन्य किसी कारण से उपगत होती है तो उसे भरने के लिये एक प्रतीक्षा सूची तैयार की जाएगी और ऐसी प्रतीक्षा सूची उस कैलेंडर वर्ष के लिए, जिसमें अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, विधिमान्य होगी।

7. नियुक्ति के लिए निबन्धन और शर्तें.— (1) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के पद की नियुक्ति पूर्णतया संविदा के आधार पर एक वर्ष के लिए होगी जिसे कार्य ग्रहण की तारीख से गिना जाएगा। सचिव, नियुक्ति प्राधिकारी होगा और नियुक्ति पत्र प्ररूप-1 में जारी किया जायेगा। कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक नियुक्ति पत्र प्राप्त करने की तारीख से पंद्रह दिन के भीतर कार्य करने के लिए रिपोर्ट करेगा:

परन्तु कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक की संविदा, उसके कर्तव्यों के संतोषजनक पालन के आधार पर नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उचित समझे जाने पर, वर्षानुवर्ष आधार पर नवीकृत की जा सकेगी

(2) सचिव, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किए गए व्यक्ति के साथ संविदा करार पर प्ररूप-2 में हस्ताक्षर करेगा।

(3) सचिव, यदि उचित समझे, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक को एक मास के पूर्व नोटिस के साथ मुक्त कर सकेगा/हटा सकेगा, यदि,—

- (क) वह दूसरी भाषा में आशुलिपि और टंकण लेखन परीक्षा को कार्यग्रहण करने की तारीख से छह मास के भीतर अर्हित करने में असफल रहता है यदि उसने नियुक्ति के समय उसे एक भाषा में ही अर्हित किया है ; या
- (ख) जिला परिषद् के पास पारिश्रमिक संदत्त करने के लिए पर्याप्त निधि न हो ; या
- (ग) यथास्थिति, जिला परिषद् का अध्यक्ष या सचिव, नियुक्त व्यक्ति की सेवाओं से संतुष्ट नहीं होता है ; या
- (घ) वह इन नियमों के उपबन्धों के अधीन विनियमित (शासित) किये जाने का इच्छुक नहीं है :

परन्तु कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक को तब तक मुक्त/हटाया नहीं जाएगा जब तक उसे सुनवाई का अवसर न दे दिया जाये ।

8. यात्रा और दैनिक भत्ते का संदाय.—कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, जिला परिषद् के कार्य कलापों के सम्बंध में उसके द्वारा की गई यात्रा के लिए, राज्य सरकार के वर्ग—V के कर्मचारियों को अनुज्ञेय यात्रा और दैनिक भत्ते को लेने का हकदार होगा। यात्रा और दैनिक भत्ते हेतु व्यय का संदाय, जिला परिषद् द्वारा इसकी अपनी निधि में से किया जाएगा।

9. प्रशासनिक नियन्त्रण.—सचिव, यात्रा कार्यक्रम का अनुमोदन करने, छुट्टी मंजूर करने और अनुशासनात्मक तथा पर्यवेक्षणात्मक मामलों सहित, समस्त प्रयोजनों के लिए नियंत्रण अधिकारी होगा।

10. अनुशासनिक कार्यवाहियां।—(1) सचिव द्वारा नियुक्त किए गए कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक को अनाचार में आसक्त होने पर या उसके द्वारा कर्तव्य का सम्यक सतर्कता और निष्ठा के साथ पालन नहीं करने या दाण्डिक अपराध में अंतर्वलित होने या अनुशासनहीनता का कार्य करने की दशा में, उसे सचिव द्वारा उसके आचरण का स्पष्टीकरण देने के लिए पूछा जा सकेगा। उसका आचरण संतोषप्रद न पाए जाने की दशा में, सचिव जांच के आदेश दे सकेगा और मामले की गंभीरता पर निर्भर रहते हुए निम्नलिखित में से एक या अधिक शास्तियां अधिरोपित कर सकेगा:—

- (i) परिनिंदा(सैन्ययुर) ;
- (ii) उसके पारिश्रमिक में से घटाकर दो सौ रुपये से पांच सौ रुपये तक का जुर्माना ;
- (iii) की गई किसी हानि की वसूली ; और
- (iv) संविदा की समाप्ति।

(2) अभ्यर्थी, जिसके विरुद्ध शास्तियां अधिरोपित की गई हैं, द्वारा दाखिल की गई अपील, यदि कोई हो, पर विचार करने या विनिश्चय करने के लिए जिला परिषद् का मुख्य कार्यकारी अधिकारी अपीलीय प्राधिकारी होगा।

11. कनिष्ठ आशुलिपिक के कृत्य और कर्तव्य।—कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, दिन प्रतिदिन के शासकीय कारबार का निर्वहन करने में जिला परिषद् के अध्यक्ष की सहायता करेगा और वह जिला परिषद् के दिन प्रतिदिन के काम और कृत्यों के निपटान के लिए सचिव की सहायता भी करेगा।

12. प्रतिभू—कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, उसके कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान उसके द्वारा की गई उपेक्षा या अनियमितता के कारण, यथास्थिति, राज्य सरकार या जिला परिषद् को हुई हानि यदि कोई हो, को वसूल करने के लिए, दो हजार पांच सौ रुपये का प्रतिभूति—बंधपत्र, उसी रकम की दो प्रतिभूतियों के साथ देगा।

13. छुट्टी।—(1) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, राज्य सरकार द्वारा समय समय पर अधिसूचित अन्य राजपत्रित छुट्टियों के अतिरिक्त कलेण्डर वर्ष में बारह दिन का आकस्मिक अवकाश प्राप्त करने के लिए हकदार होगा।

(2) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक उसकी बीमारी के दौरान कलेण्डर वर्ष में चिकित्सा आधार पर दस दिन की चिकित्सा छुट्टियां व्यतीत करने का भी हकदार होगा।

(3) यदि कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक महिला है, तो वह दो या दो से कम जीवित बच्चों के साथ अधिकतम बारह सप्ताह का प्रसूति अवकाश व्यतीत करने की हकदार होगी।

14. त्यागपत्र।—(1) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक, सचिव को लिखित में नोटिस देकर अपने पद से त्यागपत्र दे सकेगा।

(2) कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक द्वारा दिए गए त्यागपत्र को स्वीकृत करने हेतु सचिव, सक्षम प्राधिकारी होगा, जोकि उक्त त्यागपत्र के प्रभावी होने की तारीख का विनिश्चय करेगा:

परन्तु सचिव, कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक द्वारा दिए गए त्यागपत्र को स्वीकार (मंजूर) नहीं करेगा, यदि,—

- (i) उसके द्वारा की गई किसी क्षति की (वसूली) के लिये कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही विनिश्चय हेतु लंबित है; और
- (ii) उसके पास राज्य सरकार या जिला परिषद् को संदाय के लिये कोई बकाया राशि देय है;

परन्तु यह और कि कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक अपना त्यागपत्र उसके प्रभावी होने से पूर्व वापस ले सकेगा।

15. चयन प्रक्रिया से सम्बन्धित विवाद.— चयन से सम्बन्धित किसी विवाद की दशा में, व्यथित व्यक्ति, नियम 6 के उप नियम (7) के अधीन पैनल बनाए जाने की तारीख से तीस दिन के भीतर सम्बद्ध उपायुक्त के समक्ष अपील दाखिल कर सकेगा। उस पर उपायुक्त का विनिश्चय अन्तिम होगा।

16. कठिनाईयां दूर करने की शक्ति.—यदि इन नियमों के किसी भी उपबन्ध के निर्वचन या कार्यान्वयन में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो विषय (मामले) को, राज्य सरकार के स्पष्टीकरण और मार्गदर्शन के लिए निर्दिष्ट किया जा सकेगा, जो ऐसे आदेश जारी करके, जो अधिनियम के उपबन्धों से असंगत न हो, ऐसी कठिनाई को दूर करने के लिए कोई भी कार्य करने के लिए सक्षम होगी।

17. निरसन एवं व्यावृत्तियां.— (1) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (जिला परिषद् में निजी सहायक की नियुक्ति और सेवा की शर्तें) नियम, 2005, इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को, और से, निरसित हो जाएंगे।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन की गई कोई नियुक्ति, बात या कार्यवाई इन नियमों के अधीन विधिमान्य रूप में की गई समझी जाएगी।

प्ररूप -1
(नियम 7(1) देखें)
नियुक्ति पत्र

जिला परिषद् में श्री/श्रीमती/कुमारी पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री निवासी ग्राम डाकघर तहसील जिला से कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के पद के लिए प्राप्त आवेदन के सन्दर्भ में, यह सूचित किया जाता है कि उक्त श्री/श्रीमती/कुमारी का उक्त पद के लिए चयन किया गया है। इसलिए, उसे एतद् द्वारा जिला परिषद् में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर नियुक्ति का प्रस्ताव किया जाता है:—

1. उसे रुपये(अंको में) रूपए(शब्दों में) प्रतिमास उपलब्धियों (पारिश्रमिक) के रूप में संदत्त किए जाएंगे ;
2. कोई अन्य भत्ते, जो कोई राज्य सरकार के कर्मचारिवृन्द को समय समय पर अनुज्ञेय है उसे संदत्त नहीं किए जाएंगे।
3. नियुक्ति, कार्यग्रहण करने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए संविदा के आधार पर की जाएगी ;
4. नियुक्ति, नियमों और करार में अधिकथित निबन्धनों और शर्तों के अध्यधीन की जाएगी;
5. जिला परिषद् के समाधान के लिए पूर्ववृत्त सत्यापन प्रमाण पत्र, कार्यकारी मजिस्ट्रेट या दो राजपत्रित अधिकारियों जो उसे पिछले तीन वर्षों से जानते हों, कार्य ग्रहण सूचना प्रस्तुत करते समय दिया जाएगा ;
6. नियुक्ति, पद ग्रहण करने से पूर्व सम्बद्ध जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किए गए स्वास्थ्य चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के अध्यधीन की जाएगी ;

7. यथास्थिति, शैक्षणिक अर्हताओं, जाति, वास्तविक निवासी, शारीरिक विकलांगता, गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले सदस्य या पूर्व अनुभव के बारे में मूल प्रमाण पत्रों की अनुप्रमाणित प्रतियां कार्यग्रहण सूचना के साथ प्रस्तुत की जाएंगी।

उपर्युक्त निर्बन्धनों और शर्तों के उसे स्वीकार्य होने की दशा में, वह संविदा करार के निष्पादन के लिए और अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्य ग्रहण करने के लिए तुरन्त, परन्तु इस नियुक्ति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से पन्द्रह दिनों के पश्चात् नहीं, रिपोर्ट करेगा/करेगी।

स्थान.....

सचिव,
जिला परिषद्

तारीख.....

हिमाचल प्रदेश।

श्री/श्रीमती/कुमारी.....

.....

प्ररूप-2
(नियम 7(2) देखें)
करार

यह करार आज दिन (मास) (वर्ष) को श्री/श्रीमती/कुमारी पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री निवासी ग्राम तहसील जिला हिमाचल प्रदेश, जिसे.....जिला परिषद् में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किया गया है (जिसे इसमें इसके पश्चात प्रथम पक्षकार कहा गया है) और जिला परिषद् के सचिव द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात द्वितीय पक्ष कहा गया है) के बीच किया जा रहा है।

द्वितीय पक्षकार ने पक्षों के बीच इसमें इसके पश्चात करार के निबन्धनों और शर्तों पर प्रथम पक्षकार को कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में नियुक्त किया है:-

1. यह कि प्रथम पक्षकार, द्वितीय पक्षकार की कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक के रूप में आज के दिन मास वर्ष से प्रारम्भ होने वाले एक वर्ष की अवधि के लिए संविदा के आधार पर सेवा करेगा और यह विनिर्दिष्टतः वर्णित किया गया है और दोनों पक्षों द्वारा करार किया जाता है कि प्रथम पक्षकार के नियोजन की संविदा स्वयंमेव ही को समाप्त हो जाएगी और द्वितीय पक्षकार द्वारा उसे सम्प्रेषित करने के लिए किसी औपचारिक नोटिस/ आदेश की आवश्यकता नहीं होगी।

2. यह कि प्रथम पक्षकार अपने आपको द्वितीय पक्षकार के आदेश हेतु तथा अध्यक्ष या सचिव द्वारा इसके अधिकारियों और प्राधिकारियों जिनके अधीन उसे समय समय पर रखा जाएगा, प्रस्तुत करेगा और इस निमित्त जारी किये गये अनुदेशों और निदेशों का पालन करेगा तथा ऐसे कर्तव्यों जो उसे समनुदेशित किए जाएं का पालन करेगा।

3. यह कि प्रथम पक्षकार, द्वितीय पक्षकार की दक्षतापूर्वक तथा उसकी सर्वोत्तम तुष्टि के अनुसार सेवा करेगा और वह अपना पूरा समय द्वितीय पक्षकार के कर्तव्यों की सेवा में निरत रहेगा तथा अपने आपको प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः किसी व्यापार या कारबार या व्यवसाय में अपनी ओर से नहीं लगाएगा और यह भी कि (प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी द्वारा दुर्घटना या बिमारी प्रमाणित किए बिना) द्वितीय पक्षकार के निमित्त जिला परिषद् के सचिव से पूर्व में अनुज्ञा लिए बिना अपने कर्तव्यों से अपने को अनुपस्थित नहीं रखेगा। प्रथम पक्षकार, प्राधिकृत चिकित्सा छुट्टी के बिना अनुपस्थित अवधि के लिए किसी पारिश्रमिक या भत्तों का हकदार नहीं होगा।

4. प्रथम पक्षकार की सेवाएं समाप्त समझी जाएंगी,-

- (i) संविदा अवधि की समाप्ति पर ;
- (ii) द्वितीय पक्षकार द्वारा बिना पूर्व नोटिस के, यदि इसकी तुष्टि होती है कि प्रथम पक्षकार अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अपने कर्तव्य निर्वहन में अयोग्य है और प्रचुर अवधि तक अयोग्य बने रहने की संभावना है। द्वितीय पक्षकार का विनिश्चय कि प्रथम पक्षकार के अयोग्य रहने की संभावना है, प्रथम पक्ष पर निश्चायक रूप से बाध्यकारी होगा ;
- (iii) द्वितीय पक्षकार द्वारा बिना किसी पूर्व नोटिस के, यदि प्रथम पक्षकार, यथास्थिति किसी अनधीनता या असंयम या नैतिक अद्यमता या अन्य अवचार या किसी भंग अथवा इस करार या नियमों के किन्हीं उपबंधों के अननुपालन का प्रथम दृष्टया दोषी पाया जाता है ; और
- (iv) द्वितीय पक्षकार की ओर से जिला परिषद् के सचिव द्वारा इस करार के अधीन सेवा के दौरान किसी समय कोई कारण चाहे जो भी हो नियत किए बिना एक मास के लिखित नोटिस या नोटिस के बजाए एक मास के पारिश्रमिक का संदाय करने द्वारा।

5. यह कि प्रथम पक्षकार द्वितीय पक्षकार की हिमाचल प्रदेश पंचायती राज(जिला परिषद् में कनिष्ठ वेतनमान आशुलिपिक की नियुक्ति और सेवा शर्तों) नियम, 2009 के उपबंधों के अनुसरण में सेवा करेगा।

6. यह कि प्रथम पक्षकार द्वारा यह विनिर्दिष्ट रूप में करार पाया गया है कि इस करार के अधीन सेवाकाल के दौरान अपनी सेवा के नियमितिकरण के लिए किसी अधिकार का दावा नहीं करेगा।

इसके साक्ष्य स्वरूप प्रथम पक्षकार और प्रतिभूतियों ने उनकी ओर से और द्वितीय पक्षकार ने इसके सचिव द्वारा द्वितीय पक्षकार की ओर से इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

निम्नलिखित की उपस्थिति में प्रथम पक्ष द्वारा हस्ताक्षरित:

(प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर)

प्रथम साक्षी :

(प्रतिभू के हस्ताक्षर)

पता.....

व्यवसाय.....

द्वितीय साक्षी:

(प्रतिभू के हस्ताक्षर)

पता.....

व्यवसाय.....

द्वितीय पक्ष द्वारा निम्नलिखित की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया:

(द्वितीय पक्षकार के

हस्ताक्षर)

प्रथम साक्षी:

पता.....

व्यवसाय.....

द्वितीय साक्षी:

पता.....

व्यवसाय.....

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification Number PCH-HA(3)25/2007-2nd March, 2009 as required under clause(3) of article 348 of the Constitution of India) Government of Himachal Pradesh Department of Panchayati Raj.]

PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 009, the 2nd March, 2009

NO. PCH-HA (3) 25/2007.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 135 read with section 186 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 (Act No. 4 of 1994), the Governor, Himachal Pradesh, proposes to make the following rules for carrying out the purposes of the Act and the same are hereby published in the Rajpatra, Himachal Pradesh, for the information of the general public ;

If any person, likely to be affected by these draft rules has any objection(s) or suggestions(s) to make with regard to the said rules, he may send the same to the Director of Panchayati Raj, Himachal Pradesh, SDA Complex, Block No. 27, Kasumpti, Shimla-171009, within a period of thirty days from the date of publication of the draft rules in the Rajpatra, Himachal Pradesh ;

The objections(s) or suggestions(s), if any, received within the period specified above shall be taken into consideration by the State government, before finalizing these rules, namely:-

DRAFT RULES

1. Short title.—These rules may be called the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and conditions of service of Junior Scale Stenographers in Zila Parishads) Rules, 2009.

2. Definitions.— (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (a) “Act” means the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994;
- (b) “Chief Executive Officer” means the Project Officer, Integrated Tribal Development Project in the case of Zila Parishad Kinnaur and Lahaul-Spiti and Additional Deputy Commissioners of the concerned Districts in the case of other ten Zila Parishads;
- (c) “Form” means a form appended to these rules; and
- (d) “Secretary” means Secretary of Zila Parishad concerned.

(2) The words and expressions used but not defined in these rules shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

3. Number of posts and their scales of pay.— (1) There shall be one post of Junior Scale Stenographer, who will function with the Chairman of Zila Parishad, in each Zila Parishad and he shall be paid fixed emoluments of Rs.6600/- per month in the pay scale of Rs.4400-150-5000-160-5800-200-7000 or such emoluments as may be determined by the State Government from time to time.

(2) The monthly emoluments to the Junior Scale Stenographer shall be disbursed through the Secretary out of the Grant-in-Aid provided by the State Government for this purpose.

4. Minimum educational qualifications required.— (1) The candidate to be appointed as Junior Scale Stenographer shall possess minimum educational qualification of Ten plus Two(10 + 2) or its equivalent, from Board of School Education recognized by the Himachal Pradesh Government:

Provided that a person already appointed as Personal Assistant in Zila Parishad under the repealed rules with the monthly remuneration of Rs.3000/-(Rupees Three Thousand),-

- (i) shall be redesignated as Junior Scale Stenographer from the date of commencement of these rules; and
- (ii) shall possess education qualification of Ten plus two (10+2) within three years from the date of commencement of these rules and in case he did not possess the same at the time of his appointment as Personal Assistant under the repealed rules otherwise his contract shall not be renewed/extended.

(2) Every candidate to be appointed as Junior Scale Stenographer shall have a speed of eighty and seventy words per minute in English and Hindi shorthand respectively and forty and thirty words per minute in English and Hindi typewriting respectively:

Provided that a candidate shall also be eligible to apply for the post having the requisite speed as mentioned above in shorthand and typewriting in one language only, and in the event of his selection to the post, he shall qualify the test in other language within six months from the date of joining to the post.

5. Age and other eligibility conditions. —A person to be appointed as Junior Scale Stenographer shall be eligible, if,-

- (a) his age as on 1st January of the year in which he applies for the post is between 18 and 45 years;
- (b) he is a bonafide resident of the concerned district;
- (c) he is of sound mind and good health;
- (d) he has not been disqualified for appointment in public service or removed from public service on disciplinary grounds or has sought voluntary retirement under any Voluntary Retirement Scheme;
- (e) he has not been convicted of any offence involving moral turpitude; and
- (f) he does not have any outstanding dues payable to the State Government or the Zila Parishad.

6. Inviting of applications and procedure for selection.— (1) The Zila Parishad concerned, through its Secretary, shall invite the applications from the eligible persons by making wide publicity by displaying a notice on the notice board of the office of the Zila Parishad concerned and through Employment Exchanges in the District concerned and by advertising the post in one daily newspaper having wide circulation in the district. The application shall be addressed to the Secretary. A minimum period of 15 days shall be given for submitting applications from the date of notice and the applications shall be received and acknowledged with receipt duly signed and stamped by the Secretary.

(2) Immediately after the expiry of the period specified for receiving of applications, the Secretary shall fix the date, time and place for conducting the interview for the said post. The Secretary shall issue a notice, intimating the time schedule fixed for interview, to the members of the selection committee and as well as to the applicants:

Provided that there shall be a minimum period of ten days between the date of interview and date of issue of notice.

(3) Interview shall be conducted by the following selection Committee:-

- | | |
|--|--------------------|
| (i) Chairman, Zila Parishad | : Chairman |
| (ii) Project Officer, District Rural Development Agency | : Member |
| (iii) Instructor of Stenography from Industrial Training Institute of the concerned District | : Member |
| (iv) Secretary | : Member Secretary |

(4) The Secretary, on the basis of the information supplied by the candidates alongwith their applications, shall compile a data list of various criterias mentioned in sub rule (6) in respect of each candidate and the exercise of compilation of said data shall be completed before the date of interview. He shall ensure that this data is provided to the selection committee on the date of interview for verification of the same with the original record brought by the candidates on the date of interview.

(5) The selection committee shall verify the certificates with their originals and also conduct typewriting and shorthand test on spot.

(6) The selection shall be made on the basis of the performance of the candidates purely on merit basis out of the total one hundred marks which shall be divided in the following manner:-

(A) Educational Qualifications :

- | | |
|---|------------------------------|
| (i) Percentage of marks obtained in Ten Plus Two (10+2) or its equivalent divided by 2.5. | : to the maximum of 25 marks |
| (ii) Percentage of marks obtained in Bachel Degree divided by 20. | : to the maximum of 5 marks |

(B) Experience :

(One mark shall be awarded for every one year of experience in relevant nature of duties performed by a candidate either in Government department or a private sector undertaking or in a reputed non-governmental organization or in any Panchayati Raj Institution).	: to the maximum of 5 marks
--	-----------------------------

(C) Performance in shorthand and typewriting test : to the maximum of :-

- | | |
|---------------------------------------|----------|
| (i) Shorthand in English Language. | 15 Marks |
| (ii) Typewriting in English Language. | 10 Marks |
| (iii) Shorthand in Hindi Language, | 15 Marks |

-
- (iv) Typewriting in Hindi Language, 10 Marks
- (D) **Personal Interview** : to the maximum of 5 marks.
- (E) **In case of candidate belongs to the category of Scheduled Castes or Scheduled Tribes or Other backward Classes.** : 4 Marks
- (F) **In case candidate belongs to Below Poverty Line family.** : 3 Marks
- (G) **In case candidate is physically handicapped.** : 3 Marks

(7) The Secretary shall draw a panel of the candidates in the order of merit and the candidate who is first on the panel shall be selected for appointment to the post of Junior Scale Stenographer. After the selection of the Junior Scale Stenographer, a waiting list of the candidates, in the order of their merit, shall also be prepared for filling up of casual vacancy, if any occurred due to non joining or for any other reason and such waiting list shall be valid for the calendar year in which selection of candidate has been done.

7. Terms and conditions for appointment.— (1) The appointment to the post of Junior Scale Stenographer shall be purely on contract basis for a period of one year which shall be reckoned from the date of joining. The Secretary shall be the appointing authority and the appointment letter shall be issued in Form-I. The Junior Scale Stenographer shall report for duty within 15 days from the date of receipt of appointment letter.

Provided that the contract of Junior Scale Stenographer may be renewed on year to year basis as deemed fit by the appointing authority depending upon satisfactory performance of his duties.

(2) The Secretary shall sign the contract agreement with the person to be appointed as the Junior Scale Stenographer in Form-2.

(3) The Secretary, if deems proper, may disengage/remove the Junior Scale Stenographer with a prior notice of one month, if,—

- (a) he fails to qualify the shorthand and typewriting test in second language within 6 months from the date of joining if he has qualified the same in one language at the time of appointment ; or
- (b) the Zila Parishad does not have sufficient funds for payment of remuneration.; or
- (c) the Chairman of Zila Parishad or Secretary, as the case may be, is not satisfied with the services of the appointee; or
- (d) he is not willing to be governed under the provisions of these rules :

Provided that the Junior Scale Stenographer shall not be disengaged or removed unless he has been given an opportunity of being heard.

8. Payment of Travel and Daily Allowance.—The Junior Scale Stenographer shall be entitled to travelling and daily allowances for journeys performed by him in connection with the affairs of Zila Parishad as admissible to Grade-V servants of the State Government. The expenditure on account of payment towards travelling and daily allowances shall be borne by the Zila Parishad out of its own funds.

9. Administrative Control.— The Secretary, shall be the Controlling Officer for all purposes, including approval of tour programme, sanction of leave and disciplinary and supervisory matters.

10. Disciplinary proceedings.— (1) In case the Junior Scale Stenographer appointed by the Secretary is found to be indulging in mal-practices or does not perform his duties with due care and devotion or is found to be involved in criminal offence or commits acts of indiscipline, he may be asked to explain his conduct by the Secretary. In case his conduct is not found to be satisfactory, the Secretary may order an enquiry and impose one or more of the following penalties depending on the gravity of the case:-

- (i) censure;
- (ii) fine upto rupees two hundred to rupees five hundred by deducting the same from his remuneration;
- (iii) recovery of any loss caused; and
- (iv) termination of contract.

(2) The Chief Executive Officer, Zila Parishad shall be the Appellate Authority for consideration and decision on the appeal, if any, filed by the candidate against whom the penalties are imposed.

11. Functions and duties of Junior Scale Stenographer.—The Junior Scale Stenographer shall assist the Chairman of Zila Parishad in discharging day to day official business and he shall also assist the Secretary for the disposal of day to day work and functions of the Zila Parishad.

12. Surety.—The Junior Scale Stenographer shall furnish a surety bond of two thousand and five hundred rupees alongwith two sureties of the like amount to recover the loss, if any, sustained by the State Government or the Zila Parishad, as the case may be, due to any negligence or irregularity committed by him during the discharge of his duties.

13. Leave.—(1) The Junior Scale Stenographer shall be entitled for availing twelve days' casual leave in a calendar year besides the other Gazetted holidays notified by the State Government from time to time.

(2) The Junior Scale Stenographer shall also be entitled for availing ten days' leave on medical grounds in a calendar year during his illness.

(3) If the Junior Scale Stenographer is a woman, she shall be entitled to avail maximum of twelve weeks maternity leave with two or less than two surviving children.

14. Resignation.—(1) The Junior Scale Stenographer may resign from his post by giving notice in writing to the Secretary.

(2) The Secretary shall be the authority competent to accept the resignation tendered by the Junior Scale Stenographer, who shall decide the date with effect from which the said resignation shall become effective:

Provided that the Secretary shall not accept the resignation tendered by the Junior Scale stenographer, if,-

- (i) disciplinary proceeding, for recovery of any loss caused by him, is pending for decision; and
- (ii) he has any outstanding dues payable to the State Government or the Zila Parishad:

Provided further that the Junior Scale Stenographer may withdraw his resignation before it becomes effective.

15. Dispute relating to selection procedure.—In the event of any dispute relating to selection, the person aggrieved may file an appeal before the Deputy Commissioner concerned within thirty days from the date of drawal of panel under sub-rule (7) of rule 6. The decision of the Deputy Commissioner thereon shall be final.

16. Power to remove difficulties.—If any difficulty arises in the interpretation or implementation of any of the provisions of these rules, the matter may be referred to the State Government for clarification and guidance, who will be competent, to do anything to remove such difficulty by issuing an order not inconsistent with the provisions of the Act.

17. Repeal and Savings.—(1) On and from the date of commencement of these rules, the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and Conditions of Service of Personal Assistant in Zila Parishad) Rules, 2005 shall stand repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, any appointment made or anything done or any action taken under the rules so repealed, shall be deemed to have been validly made, done or taken under these rules.

FORM-1

[See rule 7 (1)]

APPOINTMENT LETTER

With reference to the application for the post of Junior Scale Stenographer in Zila Parishad.....,received from Shri/Smt./Kumari..... son/wife/daughter of Sh....., resident of village Tehsil....., districtit is informed that the said Shri/Smt./Kumari has been selected for the said post. Therefore, he is hereby offered appointment as Junior Scale Stenographer in Zila Parishad..... on the following terms and conditions:-

1. That there shall be paid to him fixed emoluments of rupees (in figures) (in words) per month;
2. That no other allowance, whatsoever admissible to the employees of State Government from time to time shall be paid to him;
3. That the appointment shall be on contract basis for a period of one year from the date of joining;
4. That the appointment shall further be subject to terms and conditions laid down in the rules and agreement ;

5. That the antecedent verification certificate to the satisfaction of the Secretary, Zila Parishad..... from the Executive Magistrate or two Gazetted officers known to him at least for the last three years shall be given by him at the time of submission of joining report;
6. That the appointment shall be subject to the production of Certificate of medical fitness issued by the Chief Medical Officer of the concerned district before joining to the post; and
7. That the attested copies of original certificates in respect of educational qualifications, caste, bonafide resident, physically handicapped, member belonging to below poverty line or past experience, as the case may be, shall be submitted alongwith joining report.

In case, the above terms and conditions are acceptable to him, he may report for execution of the contract agreement as well as for joining duty in the office of undersigned immediately but not later than fifteen days from the date of issue of this appointment letter.

Place :

Secretary,

Zila Parishad _____
Himachal Pradesh.

Date :

Shri/Smt./Kr. _____

FORM-2

[See rule 7(2)]

AGREEMENT

This agreement is made on this day of(Month)(Year) between Shri/Smt./Kumari son/wife/daughter of Shri, resident of village, Tehsil, District, Himachal Pradesh, who has been appointed as Junior Scale Stenographer in Zila Parishad..... (hereinafter referred to as the first party) and the Zila Parishad through its Secretary (hereinafter referred to as the second party).

WHEREAS the second party has appointed the first party as Junior Scale Stenographer on the terms and conditions hereinafter agreed between the parties:- .

1. That the first party shall serve the second party as Junior Scale Stenographer for a period of one year on contract basis commencing from this day of(Month)(Year) and it is specifically mentioned and agreed by both the parties that the contract of employment of the first party shall ipso facto stand terminated on_____and no formal notice/order by the second party conveying the same shall be necessary.
2. That the first party shall submit himself to the orders of the second party and of the officers and authorities under whom he may from time to time be placed by the Chairman or the Secretary, as the case may be, and shall obey their instructions or directions in this behalf and shall perform such duties as may be assigned to him.

3. That the first party shall serve the second party efficiently and to the best of his satisfaction and it shall devote his whole time to the duties of the service of the second party and shall not engage himself directly or indirectly in any trade or business or occupation on his own account and also that he shall not (except in case of accident or sickness certified by the Authorized Medical Officer) absent himself from his duties without having first obtained permission from the Chairman or the Secretary, Zila Parishad on behalf of the second party. The first party shall not be entitled for emoluments and allowances for the period of absence except the authorised medical leave.
4. The services of the first party shall stand terminated,-
 - (i) at the end of contractual period ;
 - (ii) without previous notice by the second party, if it is satisfied that the first party is unfit and is likely to continue to be unfit for a considerable period by reason of his ill health for the discharge of his duties. The decision of the second party that the first party is likely to continue to be unfit shall be conclusively binding on the first party;
 - (iii) by the second party without any previous notice if the first party is found to be prima facie guilty of any insubordination or intemperance or moral turpitude or other misconduct or if any breach or non-performance of any of the provisions of this agreement or rules, as the case may be; and
 - (iv) by one month notice in writing given at any time during service under this agreement by the Secretary, Zila Parishad on behalf of the second party without assigning any reason whatsoever or on payment of one month emoluments in lieu of the notice.
5. That the first party shall serve the second party in accordance with the provisions of the Himachal Pradesh Panchayati Raj (Appointment and Conditions of Service of Junior Scale Stenographer in Zila Parishad) Rules, 2009.
6. That it is specifically agreed by the first party that during the course of service under this agreement he shall not claim any right for regularisation of his service.

IN WITNESS WHEREOF the first party and the sureties have hereunto set their hands and the second party through its Secretary for and on behalf of the second party has hereunto set his hand.

Signed by the first party in the presence of:

.....
(signature of the first party)

First witness:

Address

.....
(signature of the surety)

Occupation

Second witness:

(signature of the surety)

Address

Occupation

Signed by the second party in the presence of:

First witness: (signature of the second party)
 Address
 Occupation
 Second witness:
 Address
 Occupation

By order.
 Sd/-
 Secretary.

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले

अधिसूचना

शिमला-2, 27 मार्च, 2008

संख्या: एफ.डी.एस.ए.(3)2/2004.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, अब भारत सरकार में पूर्व कृषि और सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) आदेश जी0एस0आर0-800 तारीख 9 जून, 1978 और उद्योग और नागरिक आपूर्ति मंत्रालय (नागरिक आपूर्ति और सहकारिता विभाग) आदेश एस0ओ0 681(ई) और 682 (ई) तारीख 30 नवम्बर, 1974 के साथ पठित आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभाग के आदेश संख्या एफ0डी0एस0-ए0 (3) 8/ 2002 तारीख 3-02-2004 को राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में प्रकाशित, हिमाचल प्रदेश विनिर्दिष्ट वस्तु (वितरण का विनियमन) आदेश, 2003 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश देते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम प्रारम्भ.—इस आदेश का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विनिर्दिष्ट वस्तु (वितरण का विनियमन) (प्रथम संशोधन) आदेश, 2008 है ।

2. खण्ड 8 का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश विनिर्दिष्ट वस्तु (वितरण का विनियमन) आदेश, 2008 (जिसे इस में इसके पश्चात् 'उक्त आदेश' कहा गया है) के उप खण्ड 2 में निम्नलिखित रखा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

'इस आदेश के किन्हीं उपबन्धों के उल्लंघन के बारे में उप खण्ड 1 के अधीन की जाने वाली किसी कार्यवाही पर प्रभाव डाले बिना, नियंत्रक, उसकी अधिकारिता के भीतर, इस आदेश के खण्ड 3 के उप खण्ड (5) के अधीन जमा की गई प्रतिभूति को पूर्णतया या किसी भाग को समपट्ट कर सकेगा या थोक विक्रेता/ उचित मूल्य की दुकान का धारक जिसके द्वारा विनिर्दिष्ट वस्तुओं का "अपयोजन" यदि कोई किया गया हो, से नियंत्रित मूल्य तथा खुले बाजार में प्रचलित दर के हिसाब से तुलनात्मक (अन्तर) मूल्य की राशि के दोगुणे के हिसाब से वसूल कर सकेगा और तदोपरि प्राधिकृत थोक विक्रेता या उचित मूल्य की दुकान का धारक जिसे इस प्रकार की वसूली का आदेश दिया हो, तुरन्त उक्त रकम को जमा करेगा:

परन्तु जहां खण्ड 16 के अधीन प्राधिकृत थोक विक्रेता/उचित मूल्य की दुकान के धारक को प्रतिभूति जमा करने से छूट दी गई है, सम्बन्ध अधिकारी उस थोक/परचुन विक्रेता को भी उक्त दर्शाई गई सजा कर सकेगा :

परन्तु यह और कि उप खण्ड (1) और उप खण्ड (2) के अधीन कोई आदेश पारित करने से पूर्व, नियंत्रक, सम्बन्ध पक्ष को सुनवाई का युक्ति युक्त अवसर प्रदान करेगा:

परन्तु यह और कि जहां प्राधिकृत थोक विक्रेता या उचित मूल्य की दुकान के धारक के विरुद्ध जांच लम्बित है और प्राधिकार के निलम्बित करने के लिए यह आवश्यक समझा गया है, सम्बन्ध प्राधिकारी का समाधान होने पर, प्राधिकार को 6 मास से अनाधिक अवधि के लिए निलम्बित करेगा।

3. उक्त आदेश में, खण्ड 15 के बाद, निम्नलिखित खण्ड 15—अ अन्तर्विष्ट किया जाएगा, अर्थात् —

‘निदेशक को उक्त आदेश के अन्तर्गत प्राप्त शक्तियों के अतिरिक्त ‘नियंत्रक’ की शक्तियां विद्यमान हैं।’

आदेश द्वारा,
बी. के. अग्रवाल,
सचिव।

FOOD, CIVIL SUPPLIES & CONSUMER AFFAIRS DEPTT.

NOTIFICATION

Shimla-2, 27th March, 2008

No. FDS-A(3)2/2004.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (Act 10 of 1955) reads with the Government of India in the late Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) Order, GSR-800 dated 9th June, 1978 and Ministry of Industries and Civil Supplies (Department of Civil Supplies and Co-operation) Order S.O. 681 (E), and 682 (E) dated 30th November, 1974, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following order to amend the Himachal Pradesh Specified Articles (Regulation of Distribution) Order, 2003 notified vide this Department Notification No. FDS-A (3) 8/2002 dated the 28-11-2003 and published in the extra ordinary Rajpatra of Himachal Pradesh Govt. dated 03-02-2004, namely:-

1. Short title & Commencement.—This order may be called The Himachal Pradesh Specified Articles (Regulation of Distribution) (First Amendment) Order, 2008.

2. Amendment of clause 8.—In the Himachal Pradesh Specified Articles (Regulation of Distribution) Order, 2008, (hereinafter referred to as the said order), in clause 8, for sub-clause (2) the following shall be substituted, namely:-

“Without prejudice to any action that may be taken under sub-clause(1) in respect of contravention of any of the provisions of this order, the controller, within his jurisdiction, may forfeit the whole or part of the security deposited under sub-clause (5) of clause 3 of this order or, recover double the amount as deferential cost between the Controlled price and the market price of diverted specified Articles, if any, and thereupon the authorized wholesaler or the Fair Price Shop holder, shall forth with deposit an amount so as to make the deficiency good in the amount:

Provided that where an authorized whole saler or fair price shop holder is exempted from deposit of the security under clause 16, the officer concerned, may also impose penalty as mentionrd above to these wholesaler / fair price shop holder:

Provided further that before passing any Order under sub-clause (1) or sub-clause (2), the Controller shall give a reasonable opportunity of being heard to the party concerned:

Provided further that where an enquiry is pending against authorized wholesaler or fair price shop holder, and it is considered necessary to suspend the authorization, the authority concerned, on satisfaction, shall suspend the authorization for the period not exceeding six months.”

3. In the said order, after clause 15, the following clause shall be inserted as clause 15 – A, namely:-

“The Director shall have all the powers of the “Controller” in addition to the power specified in this order.”

By order,
B.K. AGGARWAL,
Secretary.

**SPECIFIC NOTIFICATION
GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
FINANCE DEPARTMENT**

NOTIFICATION

Shimla-2, 4th March, 2009

No.Fin-2-C(12)-2/2008.—Government of Himachal Pradesh hereby notifies the sale of Himachal Pradesh Government Stock (securities) of 10-year tenure for an aggregate amount of **Rs. 200.00 crore** (Nominal). The sale will be subject to the terms and conditions spelt out in this notification (called specific Notification) as also the terms and conditions specified in the revised General Notification No.Fin-2-C(12)-11/2003 dated 20th July, 2007 of Government of Himachal Pradesh.

Object of the loan

1. (i) The proceeds of the State Government Securities will be utilized for the development programme of the Government of Himachal Pradesh.

(ii) Consent of Central Government has been obtained to the floatation of this loan as required by Article 293 (3) of the Constitution of India.

Method of Issue

2. Government Stock will be sold through the Reserve Bank of India, Mumbai Office (PDO) Fort, Mumbai-400 001 by auction in the manner as prescribed in paragraph 6.1 of the revised General Notification No.Fin-2-C(12)-11/2003, dated 20-7-2007 at a coupon rate to be determined by the Reserve Bank of India at the yield based auction under multiple price format.

Place and Date of Auction

3. The auction will be conducted by the Reserve Bank of India, at its Mumbai Office, Fort, Mumbai on **March 09, 2009**. The application form duly filled in with the bids should be submitted to the aforesaid office on **March 09, 2009** by 12.30 p.m.’

Result of the Auction

4. The result of the auction shall be displayed by the Reserve Bank of India at its Mumbai Office, Fort, Mumbai on **March 09, 2009**. The payment by successful bidders will be on **March 12, 2009**.

Method of Payment

5. Successful bidders will make payments on **March 12, 2009** before close of banking hours by means of cash, bankers' cheque/pay order, demand draft payable at Reserve Bank of India, Mumbai/New Delhi or a cheque drawn on their account with Reserve Bank of India, Mumbai(Fort)/New Delhi.

Tenure

6. The Stock will be of ten-year tenure. The tenure of the Stock will commence on **March 12, 2009**.

Date of Repayment

7. The loan will be repaid at par on **March 12, 2019**

Rate of Interest

8. The cut-off yield determined at the auction will be the coupon rate percent per annum on the stock sold at the auction. The interest will be paid every half yearly on **September 12 and March 12**.

Eligibility of Securities

9. The investment in Government Stock will be reckoned as an eligible investment in Government Securities by banks for the purpose of Statutory Liquidity Ratio (SLR) under Section 24 of the Banking Regulation Act, 1949. The stocks will qualify for the ready forward facility.

By order and in the name of the Governor of Himachal Pradesh.

By order,
Sd/-
Principal Secretary.

लोक निर्माण विभाग

आदेश

शिमला-2, 27 फरवरी, 2009

संख्या पी0बी0डब्ल्यू0 (बी एण्ड आर) (बी) 8(2) 3/2005.—मैसर्स के0 के0 रोपवेज, लिमिटेड, चम्बाघाट जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश, मुख्यालय नई दिल्ली ने, जाबली से कसौली फेज-II तक, नन्दोह से दोची (नजदीक लोअर माल, कसौली) जिला सोलन (हिमाचल प्रदेश) तक, यात्री आकाशी रज्जुमार्गों के सन्निर्माण को पूर्ण करने की अवधि में 30-09-2011 तक बढ़ाव करने के लिए आवेदन किया है ।

और राज्य सरकार ने, हिमाचल प्रदेश आकाशी रज्जुमार्ग अधिनियम, 1968 (1969 का अधिनियम संख्यांक 7) की धारा 9 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अवधि में बढ़ौतरी प्रदान करने हेतु आवेदन में दिए गए कारणों पर विचार करने के पश्चात् बढ़ौतरी प्रदान करने का विनिश्चय किया है ।

अतः हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश आकाशी रज्जुमार्ग अधिनियम, 1968 (1969 का अधिनियम संख्यांक 7) की धारा 7 के साथ पठित धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जाबली से कसौली-फेज-II, नन्दोह से दोची (नजदीक लोअर माल कसौली) जिला सोलन (हिमाचल प्रदेश) तक आकाशी रज्जुमार्ग के सन्निर्माण को पूर्ण करने की अवधि को, आदेश संख्या: पी0बी0डब्ल्यू0 (बी0एण्डआर0) (बी)8 (2) 3/2005 तारीख 31 जनवरी, 2006 द्वारा यथापूर्व जारी निबन्धनों और शर्तों पर, 30-09-2011 तक बढ़ाती है ।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/—
सचिव ।

(Authoritative English text of this Government Notification No. PBW (B&R) (B)8(2)3/2005 dated 27th February, 2009 as required under Article 348(3) of the Constitution of India.)

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

ORDER

Shimla-2 the 27th Feburary, 2009

No. PBW(B&R)(B)8(2)3/2005 Whereas M/S K.K.Ropeways Ltd. Chambaghat, Distt Solan H.P H.O New Delhi has applied for extension of the completion period for construction of Passenger Aerial Ropeway from Jabli to Kasauli Phase-II from Nandoh to Dochi (near Lower Mall, Kasauli), District Solan (H.P) upto 30-9-2011.

And, whereas in exercise of the powers conferred by sub Section (3) of the Section 9 of the H.P Aerial Ropeways Act, 1968 (Act No.7 of 1969), the State Government taking into consideration the reason given in the application for grant of extension of period has decided to grant the extension.

Now, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers conferred under sub Section (1) of Section 9 read with Section 7 of the H.P Aerial Ropeways Act, 1968 (Act No.7 of 1969) is pleased to extend completion period of construction of Aerial Ropeways from Jabli to Kasauli Phase-II, from Nandoh to Dochi (near Lower Mall, Kasauli), District Solan (H.P) upto 30-9-2011 on the terms and conditions as already issued vide order No. PBW(B&R)(B)8(2)3/2005 dated 31st January, 2006.

By order,
Sd/-
Secretary.

